RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 251, गुरुवार, 17 अक्टुबर, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हरियाणा के चुनावी रण में अमित शाह: कहा- कांग्रेस के शासन में चला आतंकवाद का दौर

फरीदाबाद(एजेंसी)।

फरीदाबाद सेक्टर-30 में तिगांव विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी राजेश नागर के पक्ष में जनसभा करने गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे, जिनका जोर शोर से स्वागत किया गया।इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में आतंकवाद का दौर चला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस वोट बैंक की राजनीतिक करती है। इस मौके पर शाह ने कहा कि देश से आतंकवाद का नामों निशान नहीं रहने देंगे। अमित शाह ने कहा कि हरियाणा के विकास के लिए 14वें वित्त आयोग के तहत एक लाख 17 हजार 28 हजार करोड़ रुपये दिए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि 370 धारा हटने से जनता खुश है, लेकिन कांग्रेस इसका विरोध कर रही है। शाह ने कहा कि जहां राष्ट्रवाद वहां कांग्रेस का विरोध होता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में पिछली सरकारों ने किसानों की जमीनों का खाया है। अमित शाह ने रैली को संबोधित करते हुए किस तरह बड़ी जीत के साथ मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई उसका गुणगान किया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में हमारी पार्टी को 300 से ज्यादा सीटें मिलीं और पूर्ण बहुमत से हमारी सरकार सत्ता में आई। शाह ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाकर मोदी जी ने देश की जनता की सालों पुरानी ख्वाहिश को पूरा किया है। 70-70 सालों में कितनी पार्टियां आईं कितनी सरकारें आईं लेकिन किसी ने अनुच्छेद 370 नहीं हटाया गया। अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू-कश्मीर के युवाओं को बरगलाया गया, उन्हें आतंक की राह पर ले जाया गया लेकिन कांग्रेस ने इसे नहीं हटाया। कांग्रेस के शासन में आतंकवाद का ऐसा दौर चला कि 1990 से अब तक 40 हजार लोग आतंकवाद की भेंट चढ़ गए। पर ये अनुच्छेद नहीं हटाई गई, लेकिन मोदी जी ने इसे हटाकर कड़ा संदेश दिया कि अब मोदी जी इस देश में आतंकवाद का नामोनिशान नहीं रहने देंगे। एक ओर भारतीय जनता पार्टी और उसकी सहयोगी पार्टियां अनुच्छेद 370 हटाने का समर्थन कर रही थीं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी इसका विरोध कर रही थी। ये कोई नई बात नहीं है, जब भी राष्ट्रवाद का सवाल आता है कांग्रेस पार्टी को सांप सूंघ जाता है।

महाराष्ट्र: चुनावी रैली के दौरान शिवसेना सांसद पर चाकू से हमला, बाल-बाल बचे

औरंगाबाद। शिवसेना सांसद ओम राजे निंबलकर पर महाराष्ट्र में उस्मानाबाद जिले के नाय गांव पडोली में बुधवार सुबह एक चुनावी सभा के दौरान एक युवक के चाकू से हमला कर देने से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि निंबलकर और उम्मीदवार कैलास पाटिल जैसे ही अपनी कार से नीचे उतरे, उसी गांव के युवक अनिकेथ उनकी कलाई जख्मी हो गई। घटना के इसी दौरान उन पर चाकू से वार कर दिया। निंबलकर सतर्क थे और उन्होंने युवक का वार रोकने का प्रयास किया लेकिन उनकी कलाई जख्मी हो गई। घटना के बाद युवक घटनास्थल से फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शरू कर दी है।

बीजेपी - शिवसेना के शासन में हुआ मॉब लिंचिंग में 90 फीसदी का इजाफा: ओवैसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी मॉब लिंचिंग के मामले पर अक्सर को घेरते आए हैं। उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर बड़ा खुलासा करते हुए कुछ ऑकड़े पेश किए हैं। उन्होंने अरोप लगाते हुए कहा की शिवसेना के राज में मॉब लिंचिंग में 90 फीसदी का इजाफा हुआ है। ओवैसी मॉब लिंचिंग के मामले में बढ़ती घटनाओं का आरोप पहले भी कई बार -शिवसेना पर लगा चुके हैं। उनका मानना है कि मौजूदा सरकार ने अपने राजनीतिक फायदे के लिए इस तरह की घटनाओं को नजरअंदाज किया है। साल 2009 की तुलना में देखें तो अब तक 90 फीसदी का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा, सरकार देश में नफरत फैलाने का काम कर रही है। मुसलमानों को ही अक्सर कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है। सत्ता में मौजूद लोग अपराधियों की वकालत करते हैं। अखलाक को मारने वाले को तिरंगे में लपेटा जाता है और मॉब लिंचिंग के आरोपियों का मंत्री स्वागत करते देखे जाते हैं। ओवैसी पहले भी कई बार इस मुद्दे पर मौजूदा सरकार पर आरोप लगा चुके हैं। उन्होंने कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश में मॉब लिंचिंग के खिलाफ कानून बनाने का निर्देश दिया था लेकिन मौजूदा सरकार ने अभी तक कोई पहल नहीं की है। उनका कहना है, जब नया कानून बनेगा, लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी तब लोगों में डर पैदा होगा। अभी लोंगो में इसे लेकर कोई डर नहीं है।

गर्लफ्रैंड समझ लेडी कॉन्स्टेबल से चैट करता रहा बदमाश, पुलिस ने ऐसे दबोचा

नई दिल्ली। बड़े-बड़े कारोबारी स्कैंडल में तो फंसते हैं लेकिन दिल्ली पुलिस ने पहली बार एक गैंग को दबोचने के लिए अलग ही तरीका अपनाया। दरअसल एक महिला कॉन्स्टेबल ने एक कुख्यात बदमाश की गर्लफ्रैंड का नाम लेकर उससे चैंटिंग की और अपनी मीठी-मीठी बातों में उसे फंसा लिया। उसे मिलने के लिए बुलाया और दबोच लिया। वहीं बदमाश ने अपने साथियों के नाम और पते भी बताए जिसके आधार पर उनको भी पकड़ लिया गया। डीसीपी के मुताबिक, बदमाशों ने गुरुवार को मुंडका इलाके में एक कैब लूटी गई थी। इस केस को सुलझाने के लिए मोबाइल कॉल रिकॉर्ड खंगाले गए तो एक आरोपी सोमवीर की कथित गर्लफ्रैंड का पता लगा। पुलिस ने उसकी गर्लफ्रैंड का मोबाइल लिया और एक महिला कॉन्स्टेबल को दिया। इसके बाद महिला कॉन्स्टेबल ने सोमवीर से चैटिंग की और अपनी बातों में फंसा कर उसे अपनी तय की गई जगह पर बुलाया। सोमवीर भी भरोसा करके महिला कॉन्स्टेबल के बताए समय और जगह पर पहुंच गया। सोमवीर जैसे ही वहां पहुंचा, पुलिस ने उसकी घेराबंदी कर ली और उसे दबोच लिया।

नजरबंदी के बाद सामने आई उमर अब्दुल्ला की पहली तस्वीर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म किए जाने के बाद से ही राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला नजरबंद हैं। उमर अब्दुल्ला की एक तस्वीर सामने आई है जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। तस्वीर को देखकर एक बारगी तो उमर अब्दुल्ला को पहचान पाना मुश्मिल-सा लगता है। वायरल फोटो में उमर आसमानी रंग की कमीज पहने नजर आ रहे हैं। उनकी दाढ़ी सफेद हो गई है और बढ़ा हुई दिख रही है। हालांकि यह जनकारी नहीं है कि यह तस्वीर कब की है लेकिन कहा जा रहा है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक नेता ने इस तस्वीर को सार्वजनिक किया है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो महीने से अधिक समय से उमर अब्दुल्ला को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। पिछले महीने उनकी बहन उनसे मिलने पहुंची थी। अनुच्छेद 370 को खत्म करने संबंधी फैसला लेने के बाद सरकार ने जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंध लगा दिए और कई नेताओं को हिरासत या घर में नजरबंद कर दिया। इससे पहले कश्मीर में सोमवार को पोस्टपेड सेवाएं बहाल कर दीं।

ऑड-ईवन: दोपहिया वाहनों को मिल सकती है छूट, 4 नवंबर से होगा लागू

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार अगले महीने की शुरुआत में दिल्ली में शुरू हो रही सम-विषम योजना में दोपहिया वाहन को छूट दे सकती है। दिल्ली सरकार को यह सलाह यातायात विभाग ने दी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यातायात विभाग ने सलाह दी थी कि 4-15 नवंबर के बीच शुरू हो रही सम-विषम योजना से दो पहिया वाहनों को छूट दी जाए। साथ ही विभाग ने यह सलाह दी है कि इस योजना का उल्लंघन करने पर जुर्माना 2,000 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये कर दिया जाए। दिल्ली सरकार ने इस योजना के तहत पहले ही महिलाओं को छूट देने की घोषणा की है। यह योजना दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण से निपटने के लिये लाई जा रही है। निजी सीएनजी वाहनों को भी इस दौरान प्रतिबंधित किया जाएगा। हालांकि इस पर टिप्पणी के लिए दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत उपलब्ध नहीं हो पाए हैं।

2010 के बाद तेजी से बढ़ रहीं आरएसएस की शाखाएं: मनमोहन वैद्य

नेशनल डेस्क। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं 2010 के बाद तेजी से बढ़ी हैं। के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले 9 वर्षों के दौरान लगभग 20 हजार शाखाएं बनाई गई हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सर कार्यवाह मनमोहन वैद्य ने कहा कि 2019 के बाद संघ ने 19,584 नई शाखाएं जोड़ी हैं जोकि संघ के इतिहास में सबसे अधिक वृद्धि है। उन्होंने कहा कि देश में अब 57 हजार शाखाएं हैं। वैद्य ने कहा कि समय की कमी के कारण शाखाओं का आयोजन आसान नहीं है, फिर भी 2010-14 के बीच 6 हजार नई शाखाएं बनाई गईं, यानि कि हर साल करीब 1500 नई शाखाएं जोड़ी गईं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब भाजपा सत्ता से बाहर थी तो संघ की शाखाओं में यह वृद्धि हुई। अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की तीन दिवसीय बैठक शुरू होने से पूर्व वैद्य प्रैस से बातचीत कर रहे थे। वैद्य ने कहा कि सदस्यों की आयु वर्ग भी कम हो रही है। उन्होंने कहा कि 60 प्रतिशत शाखाएं स्कूलों और कॉलेजों की हैं। लगभग 19 प्रतिशत शाखाए युवा व्यापारियों और कारोबारियों की हैं। उन्होंने कहा कि अब लोगों का के प्रति रुझान बढ़ रहा है। वैद्य ने कहा कि जब हमने 2013 में की सरकारी बैवसाइट शुरू की थी तो हमें 28843 आवेदन मिले थे। वहीं इस साल 2019 में हमें सितंबर तक में शामिल होने के लिए 1.03 लाख आवेदन मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि संघ अब सामाजिक बदलाव पर भी काम कर रहा है और 5 हजार गांवों में हमारे वर्कर काम कर रहे हैं।

अयोध्या विवाद के फैसले का काउंटडाउन:

अयोध्या विवाद के फैसले का काउंटडाउन: सुब्रमण्यम स्वामी की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने सुनने से किया इनकार

अयोध्या (एजेंसी)।

सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या विवाद की सुनवाई के दौरान पल-पल बदलते घटनाक्रम के बीच मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने बुधवार को नक्शा और दस्तावेज फाड़ डाले। संविधान पीठ के समक्ष ऑल इंडिया हिंदू महासभा के वकील विकास कुमार ने कुणाल किशोर की पुस्तक 'अयोध्या रीविजिटेड पेश किए। धवन ने इस पर आपत्ति जताई और न्यायालय से आग्रह किया कि इस पुस्तक को रिकॉर्ड में नहीं लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक हाल ही में लिखी गई है और इसे साक्ष्य के रूप में नहीं लिया जा सकता। विकास ने फिर एक नक्शे का हवाला दिया और इसे तय नियमों के तहत मुस्लिम पक्ष के वकील को भी सौंपा। धवन ने उस नक्शे को फाड़ दिया। इस पर ष्छ्र्द्ध ने नाराजगी भरे लहजे में कहा, 'कुछ और भी फाड़ दीजिए। जिसके बाद धवन ने और भी दस्तावेज फाड़ दिए। ने कहा,'यदि ऐसे ही चलता रहा तो हम उठकर चले जाएंगे। राजीव धवन ने इस दौरान फैसले के अनुवाद पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पुनरुद्धार समिति के वकील पीएन मिश्रा ने अनुवाद को जायज ठहराया और एक पैरा पढ़ा, लेकिन हम उन्हें पहले सुन चुके हैं। बाबर के द्वारा मस्जिद के निर्माण के लिए ग्रांट और लगान माफी देने के दस्वावेज़ हैं। इसपर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि ग्रांट से आपके मालिकाना हक की पुष्टि कैसे होती है? धवन ने कहा जमींदारी और दीवानी के जमाने को देखें तो जमीन के मालिक को ही ग्रांट मिलती थी। इनकी दलील मूर्खतापूर्ण है। इसपर पीएन मिश्रा ने कहा कि उन्होंने लैंडलॉज पर दो किताबें लिखी हैं और आप कह रहे हैं मुझे कानून नहीं पता। जिसके बाद धवन ने कहा कि आपकी किताबों को सलाम, उनपर पीएचडी कर लें। मुस्लिम पक्ष के वकील ने कहा कि हिंदू पक्षकारों ने कुरान के हवाले से जो दलीलें दी हैं, वो आधारहीन हैं। हम अपनी जमीन पर कब्जा वापस चाहते हैं। जिन कागजातों की बात हो रही है, उसके 4-4 मतलब हैं। पहला उर्दू, फिर हिंदी जो जिलानी की तरफ से हुआ, फिर एक हिंदी जो हाईकोर्ट जस्टिस अग्रवाल की ओर से किया गया। 2017 में चौथा ट्रांसलेशन हुआ। हिंदू पक्ष के बारे में राजीव धवन ने कहा कि आप नवंबर तक क्या कर रहे थे? हमने कोर्ट के कहने पर ट्रांसलेशन किया था और कोर्ट में जमा किया था। मुस्लिम पक्ष के वकील राजीव धवन ने कहा कि ये वायरल हो गया है कि मैंने कोर्ट में नक्शा फाड़ा, लेकिन मैंने ये कोर्ट के आदेश पर किया। मैंने कहा था कि मैं इसे फेंकना चाहता हूं तब चीफ जस्टिस ने कहा कि तुम इसे फाड़ सकते हो। इसपर चीफ जस्टिस ने कहा कि हमने कहा था कि अगर आप फाड़ना चाहें तो फाड़ दें। इसके बाद राजीव धवन ने बहस शुरू की। उन्हें बोलने के लिए डेढ़ घंटे का वक्त मिला है। धवन ने कहा कि धर्मदास ने केवल ये साबित किया कि वो पुजारी है न कि गुरु। इसके अलावा हिंदू महासभा की तरफ से सरदार रविरंजन सिंह, दूसरी विकाश सिंह, तीसरा सतीजा और चौथा हरिशंकर जैन के सबूत दिए गए हैं।

इसका मतलब महासभा 4 हिस्सों में बंट गया है। पीएन मिश्रा ने सुनवाई के दौरान टेफन थेलर और निकोलो मनूची जैसे 16वीं सदी में आए विदेशी यात्रियों के वृतांत का जिक्र किया। जिसमें मंदिर का तो जिक्र है पर मस्जिद का नहीं।

करतारपुर कॉरिडोर: पाक ने जारी की कार्यक्रमों की लिस्ट, पहला जत्था जाने की तिथि घोषित

इस्लामाबाद(एजेंसी)।

करतारपुर कॉरिडोर को लेकर भारत-पाकिसतान के बीच श्रद्धालुओं से 3120 पाकिस्तानी रुपए (20 डॉलर) वसूलने पर सहमति नहीं बन पाई है। इस बीच करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन समारोह में जाने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए पाकिस्तान ने आधिकारिक कार्यक्रम की लिस्ट जारी कर दी है। करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन नवंबर में होगा और इसका पहला जत्था 5 नवंबर को जाएगा। भारतीय तीर्थयात्रियों के दो जत्थे 5 और 6 नवंबर को जाएंगे। डेरा बाबा नानक साहिब और गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन करने के बाद श्रद्धालुओं का जत्था 13 और 14 नवंबर को वापस भारत आएगा। अभी दोनों देशों के बीच श्रद्धालुओं से टैक्स वसूलने को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है। दरअसल, पाकिस्तान ने करतारपुर कॉरिडोर का अंतिम मसौदा भारत को भेज दिया है। पाकिस्तान भारतीय सिख तीर्थयात्रियों से 3120 पाकिस्तानी रुपए (20 डॉलर) लेने पर अड़ा हुआ है। मसौदे के मुताबिक, हर कोई बिना किसी प्रतिबंध के करतारपुर कॉरिडोर का उपयोग कर सकता है। इसके अलावा भारत कम से कम 10 दिन पहले तीर्थयात्रियों की एक सूची पाकिस्तान को सौंपेगा। पाकिस्तान इस पर 4 दिन में जवाब देगा। वहीं करतारपुर साहिब जाने वाले सभी यात्रियों को जीरो प्वाइंट पर परिवहन की सुविधा दी जाएगी।

ओडिशा: वरिष्ठ बीजेपी नेता दामोदर राउत ने पार्टी से दिया इस्तीफा

भुवनेश्वर(एजेंसी)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दामोदर राउत ने बुधवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने वजह बताते हुए कहा कि 21 अक्टूबर को बीजापुर विधानसभा में होने वाले उपचुनाव से पहले पार्टी की गतिविधियों में उन्हें शामिल नहीं किया गया। राउत इस वर्ष मार्च में सत्तारूढ़ दल बीजद से निकाले जाने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे। उन्होंने भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बी के पांडा को अपना इस्तीफा भेजा। राउत ने पत्र में लिखा, मुझे लगता है कि पार्टी को आम चुनावों के बाद अपने राजनीतिक कार्यक्रमों और नीति-निर्माण प्रक्रिया में मेरी भागीदारी की आवश्यकता नहीं है। मैं इस बात से आहत हूं पत्र के अनुसार पार्टी में उनकी प्रासंगिकता को बनाकर नहीं रखते हुए, उन्हें सक्रिय राजनीति से दूर होने पर मजबूर किया गया। वह 35 साल तक ओडिशा विधानसभा के सदस्य रहे और सात बार कैबिनेट मंत्री भी रहे। राउत को बलिकुड़ा-रसम विधानसभा क्षेत्र से 2019 के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। वर्ष 2019 में उन्होंने पहली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ा था। बीजापुर उपचुनाव से पहले भाजपा छोड़ने वाले पूर्व विधायक अशोक कुमार पाणिग्रही के बाद राउत दूसरे नेता हैं। पारादीप के पूर्व विधायक राउत ने पत्र में उल्लेख किया कि तत्कालीन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाने के कारण सितंबर 2018 में उन्हें बीजद से निष्कासित कर दिया गया था। राउत ने कहा कि बीजापुर उपचुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों में उनका नाम शामिल नहीं किया गया। राउत ने इस बात पर निराशा जताई कि भाजपा ने उनके अनुभव का उपयोग नहीं किया। नेता ने कहा कि वह दिवंगत बीजू पटनायक की विचारधारा को ध्यान में रखते हुए जनता के लिए काम करना चाहते हैं। इसलिए, वह भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं। राउत ने कहा, मुझे पार्टी और उसके नेताओं से कोई शिकायत नहीं है।

अनुच्छेद-370 हटाए जाने का विरोध, न्यायिक हिरासत में भेजी गई उमर अब्दुल्ला की बहन साफिया

जम्मू(एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाए जाने के खिलाफ मंगलवार को विरोध प्रदर्शन करने वाली पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की बहन साफिया को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सोफिया ने श्रीनगर के लाल चौक पर कुछ महिलाओं के साथ प्रदर्शन किया था। इस दौरान सीआरपीएफ की महिला बटालियन की सुरक्षा बलों ने साफिया सहित अन्य महिलाओं को हिरासत में ले लिया था।

बता दें कि श्रीनगर में सिविल सोसाइटी की महिला सदस्य ने मंगलवार सुबह लाल चौक पर अनुच्धेद 370 हटाए जाने के विरोध में हाथों में नारे लिखी तख्यितयां लेकर विरोध प्रदर्शन किया था। इस विरोध प्रदर्शन में पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला की बहन और बुआ सुरैया शामिल थी। मंगलवार को विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं सहित ही दोनों को हिरासत में लिया गया था। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्ज देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से ही घाटी के तमाम बड़े नेताओं को नजरबंद किया गया है।

इनमें पूर्व सीएम डॉ. फारुक अब्दुल्ला, पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला और पी.डी. पी. नेता व पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती शामिल हैं। वहीं, घाटी में सोमवार से पोस्ट पेड मोबाइल सेवा को शुरु कर दिया गया है। इंटरनेट सेवा के लिए अभी इंतजार करना होगा। सरकार के अनुसार हालात में सुधार होने पर धीरे-धीरे इसे हटा दिया जाएगा

विश्व बैंक के बाद आईएमएफ ने भी दिखाया सरकार को आईना : प्रियंका गांधी

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अर्थव्यवस्था को लेकर एक बार फिर सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आंकड़े बदलने की लाख कोशिश के बावजूद उसका झूठ छिप नहीं रहा है और अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत की विकास दर के अनुमान को घटा दिया है। प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि विश्व बैंक के बाद आईएमएफ ने भी भारत की विकास दर के अनुमान में कटौती कर दी है। भारतीय जनता पार्टी ने विकास दर बढ़िया दिखाने के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े बदले, तथ्य छुपाए, झूठ बोला लेकिन फिर भी कुछ काम बनता नहीं दिख रहा। उन्होंने तंज कसा कि सरकार जमीन पर काम करने की बजाय सिर्फ दिखावा कर रही है और झूठे आंकड़े पेश कर रही है जिनको वह बदल रही है लेकिन सच्चाई छिपा नहीं पा रही है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आर्थिक हालत सुधारने के लिए जमीनी स्तर पर कुछ काम हो भी नहीं रहा है। क्योंकि सच्चाई छुप नहीं सकती कभी झूठे उसूलों से। कांग्रेस की पूर्वी उत्तर प्रदेश की प्रभारी महासचिव ने इससे पहले उत्तर प्रदेश में होम गार्ड हटाए जाने को लेकर योगी सरकार पर हमला किया और कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में काम कर रहे 25 हजार होमगार्ड को दिवाली से कुछ ही दिन पहले नौकरी से निकाल देने का फ़ैसला किया है। प्रदेश की कानून व्यवस्था एकदम खराब है। ऐसे में ज़्यादा प्रहरी और पुलिसबल की जरूरत पड़ती है । लेकिन भाजपा सरकार के सिर पर पता नहीं कौन सा फितूर सवार है।

संपादकीय

गरीबी के अर्थशास्त्री

अभिजीत बनर्जी भारत की गरीबी पर शोध करने वाले ऐसे पहले अर्थशास्त्री नहीं हैं, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया। इस सिलसिले में सबसे पहला और शायद सबसे बड़ा नाम गुन्नार मिर्डल का है, जिन्होंने भारत की गरीबी को पहला अर्थशास्त्रीय आधार दिया था। इसके बाद गरीबी और खासकर कुपोषण पर अमत्र्य सेन का अध्ययन है, जो आज भी बेजोड़ है। गुन्नार मिर्डल से लेकर अमत्र्य सेन तक विकासवादी अर्थशास्त्र की जो धारा चलती है, वह अभिजीत बनर्जी और उनकी जीवन संगिनी एस्टर डफ्लो तक आती है। दोनों ही केंब्रिज के मैसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं। इसके साथ ही यूनिवर्सिटी के ही एक अन्य संस्थान से जुड़े माइकल केमर का जिक्र भी जरूरी है। इन तीनों को ही संयुक्त रूप से 2019 का नोबेल पुरस्कार दिया गया है। तीनों ही विकासवादी अर्थशास्त्री हैं। यह अर्थशास्त्र की वह धारा है, जो गरीबी को आर्थिक व्यवस्था का एक अभिन्न हिस्सा मानकर चुप नहीं हो जाती, बल्कि यह प्रतिबद्धता भी रखती है कि गरीबी को सरकारी प्रयासों से खत्म किया जा सकता है। गरीबी कम या खत्म करने के लिए पिछले काफी समय से देश में कई तरह की जो योजनाएं चल रही हैं, वे सब कम या ज्यादा विकासवादी अर्थशास्त्र की सोच से प्रेरित हैं। इन सभी अर्थशास्त्रियों ने गरीबी का सिर्फ अध्ययन ही नहीं किया, उससे लड़ने और खत्म करने के तरीकों पर भी काफी काम किया है। इनके दो योगदान सबसे महत्वपूर्ण हैं। कोई भी नीति या गरीबों को लाभ देने का कोई रास्ता कितना कामयाब होगा, इसे जानने के लिए उन्होंने मेडिकल साइंस के उस औजार को उधार लिया, जिसे रेंडम कंट्रोल ट्रॉयल कहा जाता है, यानी वह तरीका है, जिससे किसी भी नई दवा या नए नुस्खे को परखा जाता है कि वह कितना कामयाब हो सकता है। इतना ही नहीं, गरीबी उन्मूलन के लिए उन्होंने जिस संस्था की नींव रखी, उसे भी प्रयोगशाला का ही नाम दिया गया- पॉवर्टी एक्शन लैब। दूसरा महत्वपूर्ण योगदान यह है कि उन्होंने गरीबों से दूर रहकर सिर्फ सिद्धांतों के जरिए गरीबी को समझने की कोशिश नहीं की। पति-पत्नी, दोनों ने ही जगह-जगह पर गरीबों के साथ लंबा समय बिताया, ताकि वे उनके जीवन के दबावों और उसकी वजह से बनने वाली सोच व व्यवहार को अच्छी तरह से समझ सकें। अभिजीत बनर्जी को जो चीज बाकी अर्थशास्त्रियों से अलग करती है, वह उनके यही अनुभव हैं। जब दूसरे अर्थशास्त्री यह कहते हैं कि अगर गरीबों को सीधे धन दे दिया जाए, तो उसका अपव्यय कर देंगे, तब अभिजीत बनर्जी यह कह रहे होते हैं कि यह अपव्यय नहीं है, अतिरिक्त धन से गरीब दरअसल अपनी नीरस जिंदगी में रंग भरने की कोशिश करते हैं। इस सोच से बहुत सारे लोग सहमत नहीं भी हो सकते। असहमति उस न्याय योजना से भी हो सकती है, जो उन्होंने कांग्रेस पार्टी को सुझाई थी। गरीबों को हर साल 72 हजार रुपये देने वाली इस योजना पर राहुल गांधी ने बड़ा चुनावी दांव खेला था। पर यह योजना भी उनका सियासी उद्धार नहीं कर सकी और उनकी पार्टी चुनाव हार गई। मगर इस चुनावी हार से परे अभिजीत बनर्जी को नोबेल पुरस्कार दिया जाना दरअसल अर्थशास्त्र की उस धारा की जीत है, जो यह मानती है कि गरीबी के अभिशाप को हमेशा के लिए खत्म किया जा सकता है।

आज के ट्वीट

नमन

हमारे पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक एवं भारत रत्न सर्व सम्मानित डा. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन।

शांडिल्य गिरिराज सिंह

विपक्षी बिखराव से आसान भाजपा की राह

दरअसल/ राजकुमार सिंह

जब एक राजनीतिक दल या उसके नेतृत्व वाला गठबंधन केंद्र समेत देश के दो-तिहाई राज्यों की सत्ता पर काबिज हो और उसका प्रतिद्वंद्वी दल या उसके नेतृत्व वाला गठबंधन हाशिये पर खिसक चुका हो, तब दो राज्यों के विधानसभा चुनावों की बहुत ज्यादा राजनीतिक अहमियत तर्कसम्मत नहीं लगती। इसके बावजूद हरियाणा और महाराष्ट्र में 21 अक्तूबर को होने जा रहे विधानसभा चुनाव बेहद महत्वपूर्ण समझे जा रहे हैं तो उसके भी अपने कारण हैं। राजनीतिक दल सार्वजनिक रूप से इस बात को स्वीकार नहीं करेंगे, पर है तो यह सच कि दशकों से महाराष्ट्र राजनीतिक दलों के लिए चुनावी व्यय का मुख्य आर्थिक स्रोत रहा है। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश की वाणिज्यिक राजधानी भी कही जाती है। देश के ज्यादातर कॉरपोरेट घरानों का मुख्य केंद्र मुंबई ही है। बेशक आर्थिक उदारीकरण के बाद तेजी से फैली बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने गुरुग्राम, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई को भी अपना मुख्यालय बनाया है, लेकिन मुंबई को नजरअंदाज वे भी नहीं कर पायीं। अरसे तक यह धारणा रही है कि देश पर राज का रास्ता उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र से निकलता है। सर्वाधिक लोकसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश बहुमत में निर्णायक भूमिका निभाता रहा है तो औद्योगिक संपन्नता के सबसे बड़े केंद्र मुंबई की बदौलत महाराष्ट्र महंगे चुनावी खर्च के लिए चुनावी चंदे में सर्वाधिक योगदान देता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली के तीन ओर बसे छोटे से राज्य हरियाणा का राजनीतिक महत्व अपनी भौगोलिक स्थिति के चलते तो है ही, बहुराष्ट्रीय कंपनियों की पहली पसंद के रूप में उभरे गुरुग्राम ने इसे और बढ़ा दिया है। दिल्ली के तीन ओर बसे होने के कारण देश की राजधानी में होने वाली राजनीतिक रैलियों में भीड़ जुटाने में हरियाणा अक्सर अग्रणी रहा है। याद नहीं पड़ता कि हरियाणा की भागीदारी के बिना कोई दल-नेता दिल्ली में कोई असरदार रैली कर पाया हो। फिर हाल के दशकों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के केंद्र के रूप में गुरुग्राम के उभार से राजनीति, खासकर चुनावी राजनीति में भी हरियाणा का दबदबा बढ़ा है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों का केंद्र बनने के साथ ही गुरुग्राम रियल एस्टेट के विस्तार का भी बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। तब जाहिर है कि बड़े-बड़े बिल्डरों ने भी वहां का रुख किया है और जमीन अधिग्रहण के खेल ने भी रफ्तार पकड़ी है। इस सब में सीएलयू और उसमें चलने वाला मोटे पैसे का खेल तो अब आम हरियाणवी की जुबान पर है। ऐसे में महाराष्ट्र और हरियाणा की सत्ता हर राजनीतिक दल-नेता का ऐसा लक्ष्य है, जिसे वह हर हाल में पाना चाहता है। अरसे तक कांग्रेस इन दोनों राज्यों की सत्ता पर काबिज रही, पर वर्ष 2014 की मोदी लहर में हवा हो गयी। महाराष्ट्र और हरियाणा में क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर भाजपा सत्ता में तो पहले भी रह चुकी थी, लेकिन मोदी लहर ने 2014 के चुनाव में उसकी किस्मत ही बदल दी। महाराष्ट्र में शिवसेना हमेशा बड़े भाई की भूमिका में ही नहीं रही, बल्कि पूरी ठसक के साथ वैसा ही व्यवहार भी करती थी। सत्ता की खातिर महाराष्ट्र में शिवसेना के नखरे उठाना भाजपा की वैसी ही मजबूरी रही, जैसी कि पंजाब में शिरोमणि अकाली दल या फिर हरियाणा में कभी देवीलाल तो कभी बंसीलाल या फिर ओमप्रकाश चौटाला के, लेकिन पांच साल पहले हुए विधानसभा चुनावों ने पासा पलट दिया। 2014 में ही चंद महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में मिली अप्रत्याशित सफलता से उत्साहित भाजपा ने महाराष्ट्र और हरियाणा में अकेलेदम विधानसभा चुनाव लड़ने का साहस दिखाया, और परिणाम उसकी उम्मीदों से भी बेहतर आये। बेशक महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए उसे फिर शिवसेना से गठबंधन करना पड़ा, लेकिन भूमिकाएं बदल चुकी थीं। अब सबसे बड़े दल के रूप में उभरी भाजपा बड़े भाई के रूप में थी तो अतीत में गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने वाली शिवसेना छोटे भाई के रूप में। जाहिर है, शिवसेना को मनपसंद मंत्रालय भी नहीं मिल पाये, और नितिन गडकरी एवं एकनाथ खडसे जैसे दिग्गजों को दरकिनार कर मुख्यमंत्री बनाये गये युवा देवेंद्र फड़नवीस ने पूरी ठसक से सरकार चलायी। लोकसभा चुनाव में पिछली बार से भी बेहतर प्रदर्शन के बावजूद इस बार विधानसभा चुनाव भाजपा-शिवसेना मिलकर लड़ रहे हैं, और तमाम दबावों को दरकिनार कर भाजपा ज्यादा सीटें लेने में सफल रही है। बेशक एकनाथ खडसे सरीखे दिग्गज नेताओं की टिकट कटने से भाजपा में असंतोष दिखा है, लेकिन लोकसभा चुनाव से ही कांग्रेस-राकांपा सरीखे प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं में भाजपा-शिवसेना में शामिल होने की जैसी होड़ लगी, उससे महाराष्ट्र के राजनीतिक मूड का संकेत तो मिलता ही है। शिवसेना भले ही कम सीटों पर लड़ रही है, लेकिन पहली बार ठाकरे परिवार के किसी सदस्य ने चुनाव मैदान में उतर कर भावी राजनीतिक इरादों का साफ संदेश भी दे दिया है । बाल ठाकरे की तरह उनके पुत्र एवं राजनीतिक वारिस उद्धव ठाकरे भी चुनाव से दूर ही रहे, लेकिन अब उनके पुत्र एवं युवा सेना के प्रमुख आदित्य ठाकरे को चुनाव मैदान में उतार कर शिवसेना ने ऐलान कर दिया है कि मुख्यमंत्री पद पर दावा छोड़ा नहीं गया है। गठबंधन राजनीति में सामान्य सिद्धांत बड़े दल को मुख्यमंत्री पद देने का रहा है। ऐसे में महाराष्ट्र में भावी मुख्यमंत्री का फैसला तो चुनाव परिणाम ही करेंगे, लेकिन पस्त विपक्ष के बिखराव तथा बालाकोट और धारा 370 जैसे राष्ट्रहित के मुद्दों के कृषि संकट, अकाल, बाढ़ और बेरोजगारी जैसे अन्य सभी मुद्दों पर भारी पड़ने का संकेत यही है कि भाजपा-शिवसेना की सरकार बनने में शक की गुंजाइश नहीं। बेशक उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के बाद महाराष्ट्र विधानसभा देश की तीसरी बड़ी विधानसभा है, लेकिन हरियाणा में पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली सफलता ज्यादा बड़ी कही जायेगी। महाराष्ट्र की 289 सदस्यीय विधानसभा के मुकाबले हरियाणा की विधानसभा मात्र 90 सदस्यीय ही है, लेकिन जिस हरियाणा में भाजपा अकेलेदम कभी दो अंकों में भी नहीं पहुंच पायी, वहां के मतदाताओं ने उसे अक्तूबर, 2014 में 47 सीटों के साथ स्पष्ट बहुमत देकर सत्ता सौंपी थी। दस साल से सत्तारूढ़ कांग्रेस और पूर्व सत्तारूढ़ दल इनेलो की मौजूदगी में निश्चय ही यह सफलता अप्रत्याशित थी। महाराष्ट्र की तरह हरियाणा में भी भाजपा आलाकमान या साफ कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री चयन में भी अप्रत्याशित फैसला किया। प्रदेश अध्यक्ष रामबिलास शर्मा मुख्यमंत्री पद के स्वाभाविक दावेदार माने जा रहे थे। अनुभवी कृष्णपाल गुर्जर, किसान नेता ओमप्रकाश धनखड़ और युवा जाट चेहरा कैप्टन अभिमन्यु भी कतार में थे, लेकिन मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक से भाजपा में आये अविवाहित मनोहर लाल खट्टर पर दांव लगाया। निश्चय ही पहली बार विधायक बनकर सीधे मुख्यमंत्री बन गये खट्टर के लिए शुरुआती समय सहज नहीं रहा। जाट आरक्षण आंदोलन से लेकर रामपाल प्रकरण और राम-रहीम कांड तक लगातार खट्टर की कार्यशैली पर सवाल उठते रहे। सवाल उठाने वालों में विपक्षी तो थे ही, अपने भी कम नहीं थे, लेकिन हर चुनावी परीक्षा में शानदार सफलता से खट्टर अपने विरोधियों पर इस तरह भारी पड़ते गये कि कभी उनका विकल्प बनने में लगे नेता भी आज उन्हीं का गुणगान करते हुए वोट मांग रहे हैं, पर हरियाणा में भाजपा की चुनावी बढ़त में खुद विपक्ष का योगदान भी कम नहीं है। कांग्रेस में पांच साल तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा और अशोक तंवर गुट एक-दूसरे से ही उलझे रहे। चुनाव के ऐन पहले कांग्रेस आलाकमान ने नेतृत्व परिवर्तन किया भी तो गलत टिकट वितरण और तंवर की बगावत उसकी संभावनाओं को ग्रहण लगाती दिख रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में इनेलो मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरा था, लेकिन चौटाला परिवार में छिड़ी वर्चस्व की जंग के चलते इन चुनावों में वह अस्तित्व की लड़ाई लड़ता नजर आ रहा है। अजय सिंह चौटाला के परिवार द्वारा इनेलो से अलग होकर बनायी गयी जजपा जरूर, भाजपा-कांग्रेस में बगावत का लाभ उठाते हुए, पूरे जोश के साथ चुनाव मैदान में है, लेकिन भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि त्रिकोणीय-चतुष्कोणीय मुकाबलों में वह सीटें कितनी जीत पाती है, क्योंकि चुनाव-दर-चुनाव स्पष्ट जनादेश का यह संकेत साफ है कि अब मतदाता अपना वोट बेकार नहीं जाने देते।

ज्ञान गंगा

शरीर

जग्गी वासुदेव

शायद आप नहीं चाहेंगे कि मैं ऐसे शब्द कहूं, लेकिन अपने जीवन के हर क्षण में, आप अपनी मृत्यु के थोड़ा पास पहुंच रहे हैं। मैं आपको दीर्घायु होने का आशीर्वाद दूंगा पर मृत्यु तो हर मिनट आपके पास आ ही रही है। हमारे जीवन के जो दो सबसे महत्त्वपूर्ण आयाम हैं, वे हैं समय और ऊर्जा। आप अपनी ऊर्जाओं को अच्छे से मैनेज करते हैं, तो आपकी ऊर्जाओं के बढ़ जाने से आपके अनुभव में समय भी ज्यादा अच्छा गुजरेगा। जब आपके जीवन के अनुभव मधुर होते हैं, तो वे जितने ज्यादा मधुर होते जाएंगे, उतनी ही ज्यादा तेजी से आपको समय बीतता मालूम पड़ेगा। आप सुबह उठेंगे और आपको पता चलने से पहले दिन पूरा भी हो जाएगा-इसका सीधा अर्थ है कि सब कुछ अच्छा है, आप बढ़िया स्थिति में हैं। आपका समय जल्दी नहीं गुजरता, भारी मालूम होता है तो इसका अर्थ है कि आपकी स्थिति कष्टप्रद है, खराब है। आपका यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि इस धरती पर, आज के समय में, एक मनुष्य के रूप में आपके शरीर के अंदर समय किस तरह चल रहा है, या आप समय का अनुभव किस प्रकार कर रहे हैं। आपके शरीर के कई आयाम इस धरती पर समय को तय करने के मूल भागों के साथ तालमेल में हैं। हमारे लिए समय का मूल माप तो पृवी का सूर्य के चारों ओर घूमना ही है, जो एक वर्ष है। चंद्रमा पृवी के चारों ओर घूम रहा है और इसका एक चक्र एक महीना है। लेकिन समय का सबसे मूल माप पृवी के अपनी धुरी पर चक्कर लगाने से मिलता है। पृवी के एक चक्कर को हम एक दिन कहते हैं। पृवी की भूमध्य रेखा 21600 नॉटिकल मील लंबी है। एक दिन में आपके द्वारा ली गई सांसों की संख्या भी 21600 ही है। इसे 1440 से भाग करें-जो हर दिन के मिनटों की संख्या है-तो उत्तर मिलता है 15। इसका अर्थ है कि आप हर मिनट लगभग 15 सांसें ले रहे हैं, तो आप पृवी के अपनी धुरी पर चक्कर लगाने के साथ पूरी तरह तालमेल में हैं। आपके हृदय की धड़कनें प्रति मिनट 70 से 72 के बीच हैं, तो आपका हृदय भी आप की सांस के साथ तालमेल में है, सांस पृवी के चक्करों के साथ तालमेल में है। अपनी शारीरिक व्यवस्था में तालमेल लाने का यह सरल उपाय है। आप यह करते हैं, तो आपके शरीर की बाध्यताएं, शरीर की मजबूरियां छूट जाएंगी।

कैंसर के खिलाफ जंग हुई अब आसान

चिकित्सा में नोबेल/ निरंकार सिंह

इस साल चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार जिन तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गयी है, उनकी खोज से अब कैंसर, एनीमिया और कोशिकाओं से जुड़ी हुई कई अन्य बीमारियों के इलाज का रास्ता खुलेगा। पुरस्कार के लिए चुने गये वैज्ञानिकों में अमेरिका के विलियम जी. केलिन जूनियर व ग्रेग एल. सेमेंजा और ब्रिटेन के पीटर जे. रैटक्लिफ शामिल हैं। विलियम केलिन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से और पीटर रैटक्लिफ ब्रिटेन के फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। इन तीनों वैज्ञानिकों ने मानव कोशिकाओं की कार्यप्रणाली को समझने की दिशा में क्रान्तिकारी खोज की है। उन्होंने उस बायोलॉजिकल मशीनरी को पहचाना है जो आक्सीजन का स्तर बदलने पर जीन की प्रतिक्रिया को नियंत्रित करती है। व्यक्ति के स्वस्थ रहने में यह प्रक्रिया अहम भूमिका निभाती है।

नोबेल कमेटी के निल्स गोरन ने विजेता वैज्ञानिकों के खोज के महत्व को समझाते हुए बताया कि कैंसर कोशिकाएं आक्सीजन के स्तर को लेकर प्रतिक्रिया देने की पूरी प्रक्रिया अपना लेती हैं। ऐसा होने के कारण रक्त नलिकाएं उन कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने में मदद करने लगती हैं। इसी तरह किसी की किडनी खराब हो तो उसे एनीमिया के इलाज के लिए हार्मोन देने पड़ते हैं। नई खोज से ऐसी दवाएं विकसित करने का रास्ता खुलेगा जो बीमार कोशिकाओं को आक्सीजन के प्रति गतिविधि को निशाना बनाकर उन्हें खत्म करेंगी। मालूम हो कि 2018 का नोबेल पुरस्कार जिन वैज्ञानिकों को दिया गया है, उनकी खोज से भी कैंसर के इलाज में सहायता मिलेगी। अमेरिका के प्रोफेसर जेम्स पी एलिसन और जापान के प्रोफेसर तासुकू हॉन्जो ने मानव शरीर के इम्यून सिस्टम का इस्तेमाल कर कैंसर को निष्प्रभावी बनाने के लिए एक नया इलाज निकाला है। इन दोनों को इसके लिए 2018 का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार मिला था। उनके इस इलाज को 'चेक प्वाइंट थेरैपी' कहा जा रहा है। पुरस्कार देने वाली स्वीडिश अकेडमी ने बताया कि इम्यून चेक प्वाइंट थेरैपी ने कैंसर के उपचार में काफी क्रांतिकारी बदलाव किया है। क्योटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर हॉन्जो ने कहा, 'मैं अपना शोध जारी रखना चाहता हूं ताकि ये इम्यून थेरैपी अधिक से अधिक कैंसर के मरीजों को बचा सके।' हमारा इम्यून सिस्टम हमें कई बीमरियों से बचाता है लेकिन अंदर ये अपने ही ऊतकों के हमले से बचने के लिए एक सेफगार्ड भी बनाता है। कुछ कैंसर उन 'ब्रेक्स' का फायदा उठा सकते हैं और हमले से बच सकते हैं। 70 के दशक में एलिसन और हॉन्जो ने ब्रेक लगाने वाले प्रोटीन को बंद करके ट्यूमर पर हमला करने वाले हमारे इम्यून सिस्टम को ताकत देने के लिए एक रास्ता ढूंढ़ निकाला है। जिस बीमारी का पहले इलाज होना नामुमकिन था, उसके लिए नई दवाइयां लाई गई। जो मरीजों को इस बीमारी से लड़ने के लिए एक नई उम्मीद देंगे। इम्यून थेरैपी चेक प्वाइंट का उपयोग एनएचएस द्वारा किया गया है, जिसका इस्तेमाल गंभीर मेलानोमा (त्वचा कैंसर) के इलाज के लिए किया जा रहा है। ये सबके लिए प्रभावी नहीं है लेकिन कुछ मरीजों में बहुत ही अच्छी तरह काम कर रहा है, जिसके परिणाम अविश्वसनीय हैं। पूरी तरह से ट्यूमर से छुटकारा मिल रहा है, चाहे वे शरीर में पूरी तरह ही क्यों न फैल गये हों। ऐसे मरीजों में इतने अच्छे परिणाम पहले कभी नहीं देखे गए हैं। एडवांस लंग्स कैंसर में भी कई डॉक्टर इस ट्रीटमेंट का उपयोग कर रहे हैं। कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का इलाज ढूंढ़ने की कोशिश लगातार हो रही है और इसके इलाज की कड़ी में एक और कदम बढ़ाया गया। ब्रिटेन में पहली बार एक नई मशीन का इस्तेमाल किया गया। इससे डॉक्टर रेडियोथेरैपी के दौरान ही ट्यूमर की जांच भी कर सकते हैं। वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में कई दशकों से काम करने वाली एक अग्रणी संस्था डीएस रिसर्च सेंटर के वैज्ञानिकों ने खाद्य पदार्थों की पोषक ऊर्जा से कैंसर की औषधि तैयार की है। इन रोगियों में कई स्वस्थ होकर आज भी जीवित हैं। हाल ही में इस औषधि का परीक्षण कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय के नैदानिक अनुसंधान केन्द्र (सीआरसी) ने भी किया।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क — राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला — व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

ओएनजीसी विदेश ने कोलंबिया-ब्राजील में तेल, गैस की दो नई खोज की

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की विदेश कारोबार इकाई ओएनजीसी विदेश ने बुधवार को कहा कि उसने कालंबिया और ब्राजील में तेल एवं गैस की दो नई खोज की है। ओवीएल ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने कोलंबिया में लानोस बेसिन में खोज ब्लाक सीपीओ-5 में तेल होने का पता लगाया है। इसके अलावा ब्राजील के सर्गाइप एलागोस बेसिन में गहरे सागर में ब्लाक बीएम-एसईएएल-4 प्राकृतिक गैस की खोज की है। बयान के अनुसार, ''सीपीओ-5 में कुआं एसओएल-1 में 2,852 मीटर की गहराई में तेल मिला है। भारतीय कंपनी कोलंबियाई ब्लाक में 70 फीसदी हिस्सेदारी के साथ परिचालक है। शेष 30 फीसदी हिस्सेदारी पेट्रोदोरोदो साऊथ अमेरिका एसए, सुकुर्सल (पीडीएसए) के पास है। ओवीएल ने कहा कि ब्राजील में मोइता बोनीता-2 में 2.6 किलोमीटर गहरे जल क्षेत्र में प्राकृतिक गैस मिली है। ब्राजील की राष्ट्रीय तेल कंपनी पेट्रोब्रास ब्लाक बीएम-एसईएएसी-4 समूह की परिचालक हैं। इसमें उसके पास 75 फीसदी हिस्सेदारी है जबकि शेष 25 फीसदी हिस्सेदारी ओवीएल के पास है। ओवीएल की ब्राजील और कोलंबिया के तेल एवं गैस क्षेत्र में उल्लेखनीय उपस्थिति है। कंपनी की कोलंबिया में सात खोज ब्लाक में हिस्सेदारी है। इसके अलावा वह तेल उत्पादक कंपनी मानसरोवर एनर्जी कोलंबिया लि. (एमईसीएल) में संयुक्त हिस्सेदार है। ब्राजील में ओवीएल की बीएम सिएल-4 के अलावा अपतटीय बीसी-10 ब्लाक में 27 फीसदी हिस्सेदारी है।

दो महीने पहले 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी की खबर, अब 55 करोड़ बढ़ा मुनाफा

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

बिस्किट बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी पारले प्रोडक्ट्स में करीब दो महीने पहले जहां सुस्ती की वजह से 10,000 नौकरियों पर खतरे की खबरें आ रही थीं, अब उसका मुनाफा 15.2 फीसदी बढ़ने की खबर आ रही है। सोशल मीडिया पर पारले जी के मुनाफे की खबरें ट्रेंड हो रही हैं और तेजी से शेयर हो रही हैं। लोग कह रहे हैं कि कुछ समय पहले जहां कहा जा रहा था कि लोगों के पास पारले जी के 5 रुपए के बिस्किट खरीदने तक के पैसे नहीं हैं, वह कंपनी मुनाफा कमा रही है। पारले प्रोडक्ट्स ग्रुप की इकाई पारले बिस्किट्स को कारोबारी साल 2018-19 में 15.2 फीसदी का शुद्ध मुनाफा हुआ है। पारले बिस्किट्स का मुनाफा बढ़ने की खबर इसलिए अहम है क्योंकि नुकसान की आशंका को देखते हुए बिस्किट मैन्युफैक्चरर्स ने सरकार जीएसटी कट की मांग की थी। बिजनेस प्लैटफॉर्म टॉफ्लर के मुताबिक, वित्त वर्ष 2019 में पारले बिस्किट्स का शुद्ध मुनाफा 410 करोड़ रुपए रहा जो वित्त वर्ष 2017-18 में 355 करोड़ रुपए था। इस दौरान कंपनी को आमदनी में 6.4 फीसदी का इजाफा हुआ और वह बढ़कर 9,030 करोड़ रुपए हो गई। 2017-18 में यह आंकड़ा 8,780 करोड़ रुपए था। अगस्त 2019 में पारले बिस्किट्स ने कहा था कि अगर सरकार ने जीएसटी कट की मांग नहीं मानी तो हमें अपनी फैक्टरियों में काम करने वाले 8,000-10,000 लोगों को निकालना पड़ेगा। त्रस्ज्ञ लागू होने से पहले 100 रुपए प्रति किलो से कम कीमत वाले बिस्किट पर 12 फीसदी टैक्स लगाया जाता था। कंपनियों को उम्मीद थी कि प्रीमियम बिस्किट के लिए 12 फीसदी और सस्ते बिस्किट के लिए 5 फीसदी का त्रस्ज्ञ रेट तय किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने दो साल पहले जब त्रस्ज्ञ लागू किया।

भारत के लिए वित्तीय घाटे को नियंत्रण में रखना जरूरी: गोपीनाथ

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अंतररष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने देश में जारी आर्थिक सुस्ती से निपटने के लिए सरकार द्वारा हाल में उठाए गए कदमों की तारीफ करते हुए कहा है कि भारत के लिए वित्तीय घाटे को नियंत्रण में रखना और बैंकों के बैलेंसशीट को साफ-सुथरा बनाना जरूरी है। भारतीय मूल की श्रीमती गोपीनाथ ने मंगलवार को आईएमएफ का वैश्विक आर्थिक परिदृश्य जारी करने के बाद संवाददाताओं के प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। जब उनसे बैंकिंग सेक्टर के संकट और देश की वित्तीय स्थिति के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा ''वित्तीय मोर्चे पर भारत ने हाल में कुछ कदम उठाए हैं जिनमें कंपनी कर में काटौती भी शामिल है। अभी यह नहीं बताया गया है कि इससे राजस्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

भारत के लिए वित्तीय घाटे को नियंत्रण में रखना महत्त्वपूर्ण होगा। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष के पहले 5 महीने यानी अप्रैल-अगस्त 2019 की अवधि में देश का वित्तीय घाटा 5.54 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है जो बजट अनुमान का 78.7 प्रतिशत है। गोपीनाथ ने कहा कि गैर-बैंकिंग वित्तीय क्षेत्र में जारी वित्तीय संकट और इसके कारण आम उपभोक्ता तथा छोटे एवं मझौले उद्योग द्वारा ऋण उठाव प्रभावित होने से भारत की विकास की रफ्तार पर असर पड़ा है।

सरकार ने इनसे निपटने के समुचित उपाय किए हैं। उन्होंने कहा ''बैंकों के बैलेंसशीट को साफ-सुथरा करने समेत बहुत कुछ अब भी किया जाना बाकी है। इसलिए हमने वर्ष 2020 में भारत की विकास दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान जारी किया है।

सितंबर महीने में निर्यात 6.57 फीसदी घटा, आयात में भी 13.58 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत का निर्यात सितंबर में 6.57 फीसदी घटकर 26 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम, इंजीनियरिंग, चमड़ा, रसायन और रत्न एवं आभूषण जैसे प्रमुख क्षेत्रों से निर्यात में गिरावट का असर कुल निर्यात पर पड़ा। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़े के अनुसार आलोच्य महीने में आयात भी 13.85 फीसदी घटकर 36.89 अरब डॉलर रहा। इससे सितंबर महीने में व्यापार घाटा कम होकर 10.86 अरब डॉलर पर रहा। पिछले साल सितंबर में व्यापार घाटा 14.95 अरब डॉलर था।

कुल 30 प्रमुख निर्यात क्षेत्रों में से 22 में गिरावट दर्ज की गई। रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान और पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 5.56 फीसदी, 6.2 फीसदी और 18.6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। सितंबर महीने में तेल आयात 18.33 फीसदी घटकर 8.98 अरब डॉलर रहा जबकि गैर-तेल आयात 12.3 फीसदी घटकर 27.91 अरब डॉलर रहा। संचयी रूप से इस साल अप्रैल-सितंबर के दौरान निर्यात 2.39 फीसदी घटकर 159.57 अरब डॉलर जबकि आयात 7 फीसदी घटकर 243.28 अरब डॉलर रहा। स्वर्ण आयात भी आलोच्य महीने में 50.82 फीसदी घटकर 1.27 अरब डॉलर रहा।

संक्षिप्त समाचार

पीएनब हाउसिंग विभिन्न चरणों में बांड जारी कर जुटाएगी 10,000 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस कई चरणों में बांड जारी कर 10,000 करोड़ रुपए जुटाएगी। शेयर बाजार को उपलब्ध कराई जानकारी में कंपनी ने बुधवार को बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक 24 अक्टूबर को होगी। इस दौरान चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणामों की घोषणा की जाएगी। वहीं कोष जुटाने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल सुरक्षित और असुरक्षित गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। निदेशक मंडल विभिन्न चरणों में कुल 10,000 करोड़ रुपए के डिबेंचर जारी करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दिखा सकता है।

ई-वाहन के लिए घर में चार्जिंग सुविधा लगाने के वास्ते एमजी मोटर ने ई-चार्जबेय से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। एमजी मोटर इंडिया ने बुधवार को कहा कि उसने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए घर में चार्जिंग सुविधाएं लगाने के वास्ते दिल्ली की स्टार्टअप कंपनी ई-चार्जबेय के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने दिसंबर 2019 में अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी एमजी जेडएस ईवी के पेश होने से पहले यह साझेदारी की है। एमजी मोटर ने बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत कंपनी के विशेषज्ञों को यह पता करने के लिए भेजा जाएगा कि एसयूवी एम जेडएस ईवी खरीदने वाले के घर में ईवी चार्जर लगाया जा सकता है। इस पर टिप्पणी करते हुए एमजी मोटर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक राजीव चाबा ने कहा कि हमारा गठजोड़ का उद्देश्य घर में ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करके सरकार के इलेक्ट्रिक वाहन को लेकर विचार का समर्थन करना है। कंपनी ने कहा कि एमजी जेडएस ईवी एक वैश्विक उत्पाद है और ब्रिटेन में पेश करने के दो महीने के अंदर उसे 2,000 ऑर्डर मिल चुके हैं।

पीएमसी बैंक घोटाला: सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, ग्राहकों को 100फीसदी बीमा कवर की मांग

बिजनेस डेस्क। पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक घोटाले का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट जल्द सुनवाई के लिए तैयार हो गई है। बिजोन मिश्रा की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में मांग की गई है कि 15 लाख से अधिक पीड़ितों को सुरक्षा दी जाए और 100 फीसदी बीमा कवर दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट इस याचिका पर 18 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई करने का यह फैसला ऐसे समय में लिया है जब के ग्राहकों में पैसा डूबने का डर बढ़ता जा रहा है। ने छह महीने के लिए बैंक के कामकाज पर पाबंदी लगा दी है। ने बैंक से ग्राहकों के पैसे निकालने पर भी रोक लगा दी है। पहले छह महीने में बैंक खाते से सिर्फ 1000 रुपए निकालने की अनुमति थी। फिर इसे बढ़ाकर 10,000 रुपए और 25,000 रुपए किया गया। दो दिन पहले ने यह सीमा बढ़ाकर 40,000 रुपए कर दिया है। स्कैम का मामला तब सामने आया जब बैंक के स्ब्रु जॉय थॉमस ने के सामने यह स्वीकार किया कि दिवालिया हो चुकी कंपनी को बैंक ने 6500 करोड़ रुपए का लोन दिया है। यह लोन रेगुलेटरी सीमा का 4 गुना है। हैरानी की बात है कि बैंक के 8880 करोड़ रुपए के लोन बुक में से 6500 करोड़ रुपए सिर्फ एक ही कंपनी को दिया गया था। पीएमसी बैंक की 137 शाखाएं हैं और यह देश के टॉप-10 को-ऑपरेटिव बैंकों में से एक है। और यह देश के टॉप-10 को-ऑपरेटिव बैंकों में से एक है। आरोप के मुताबिक पीएमसी बैंक के मैनेजमेंट ने अपने नॉन परफॉर्मिंग एसेट और लोन वितरण के बारे में आरबीआई को गलत जानकारी दी है। आरोप के मुताबिक पीएमसी बैंक के मैनेजमेंट ने अपने नॉन परफॉर्मिंग एसेट और लोन वितरण के बारे में आरबीआई को गलत जानकारी दी है। जिसके बाद आरबीआई ने बैंक पर कई तरह की पाबंदी लगा दी। इन पाबंदियों के तहत लोग बैंक में अपनी जमा राशि सीमित दायरे में ही निकाल सकते हैं।

जियो ने दूसरी टेलिकॉम कंपनियों पर लगाया आरोप, कहा- ग्राहकों से वसूल रही 'छिपा हुआ शुल्क'

नई दिल्ली। रिलायंस जियो ने अपने ग्राहकों से छह पैसा प्रति मिनट के इंटरकनेक्ट उपयोग शुल्क (आईयूसी) वसूलने के निर्णय का मंगलवार को बचाव किया। कंपनी ने अन्य दूरसंचार सेवाप्रदाताओं पर इसे 'छिपे हुए शुल्क (हिडेन चार्जेस) के रूप में वसूलने का आरोप लगाया। कंपनी ने कहा उसने इस मामले में पारदर्शिता बरती है। उल्लेखनीय है कि भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के नियमानुसार अभी दूरसंचार कंपनियों को अपने नेटवर्क से बाहर जाने वाली कॉल के दूसरे नेटवर्क पर जुड़ने के लिए एक शुल्क देना होता है। इसे ही आईयूसी कहते हैं। वर्तमान में इसकी दर 6 पैसे प्रति मिनट है। जियो ने पुरानी दूरसंचार सेवाप्रदाता कंपनियों में पारदर्शिता के अभाव का आरोप लगाते हुए कहा कि उन कंपनियों ने गलत प्रौद्योगिकी में निवेश किया है जिससे उनकी लागत पर असर पड़ रहा है। जियो के अध्यक्ष मैथ्यू ओमन ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों को भविष्य में 5जी के लिए इंटरनेट प्रोटोकॉल पर आधारित पूरा नया ढांचा बनाने की जरूरत होगी और उन्हें 2जी जैसी पुरानी प्रौद्योगिकी में निवेश नहीं करना होगा।

फूड रिटेल बिजनेस में उतरी फ्लिपकार्ट ग्रोसरी और फूड प्रोडक्ट्स का भी कर सकेंगे ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अब आप ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट से ऑनलाइन शॉपिंग के अलावा खाने-पीने का सामान भी खरीद सकते हैं। कंपनी ने ऐलान किया कि वह देश में फ्लिपकार्ट फार्मरमार्ट नाम से नया व्यापार शुरू कर रही है। इस नए बिजनेस के साथ कंपनी अपनी प्रमुख प्रतिद्वंदी कंपनी अमेजन को भी चुनौती देने की तैयारी कर रही है। अमेजन फूड रिटेल सेगमेंट में पहले ही अपनी मौजूदगी दर्ज करा चुकी है। मोदी सरकार की नई एफडीआई नीति के तहत विदेशी निवेशकों को भारत में रिटेल सेक्टर के लिए मंजूरी नहीं लेनी है। जिसमें 100 फीसदी एफडीआई की इजाजत है। जल्द ही फ्लिपकार्ट लाइसेंस पाने के लिए अप्लाई करेगी। इसके बाद उसे फूड रिटेल में निवेश के लिए डिपार्टमेंट ऑफ इंडस्ट्रियल पॉलिसी एंड प्रमोशन से अनुमति लेनी होगी। देश में असंगठित रिटेल सेगमेंट में ग्रोसरी सेगमेंट की हिस्सेदारी काफी बड़ी है। अनुमान के मुताबिक, भारत में ग्रोसरी बाजार 200 अरब डॉलर जितना है।

पिछले कुछ साल में बिग बास्केट, ग्रोफर्स जैसी कंपनियों ने ऑनलाइन ग्रोसरी सेगमेंट में अपनी जगह बनाई है, जहां से लोग अंडा, ब्रेड और दूध जैसे रोजमर्रा के सामान भी खरीद रहे हैं। भारत में ऑनलाइन किराना मार्केट अभी खुल ही रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 0.15 फीसदी लोग ऑनलाइन खरीदारी करते हैं। हालांकि मार्केट को उम्मीद है कि साल 2023 तक 68.66 फीसदी लोग ऑनलाइन खरीदारी करने लगेंगे।

भारत में 1990 के बाद गरीबी दर आधी रह गई, स्थिति में हुआ काफी सुधार: विश्व बैंक

वाशिंगटन (एजेंसी)।

भारत में 1990 के बाद से गरीबी के मामले में स्थिति में काफी सुधार हुआ है और इस दौरान उसकी गरीबी दर आधी रह गई। भारत ने पिछले 15 साल में सात प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल की है। विश्वबैंक ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। विश्वबैंक ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ सालाना बैठक से पहले कहा कि भारत अत्यधिक गरीबी को दूर करने समेत पर्यावरण में बदलाव जैसे अहम मुद्दों पर वैश्विक वस्तुओं के प्रभावी अगुवा के तौर पर वैश्विक विकास प्रयासों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। उसने कहा कि देश ने पिछले 15 साल में सात प्रतिशत से अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल की है और 1990 के बाद गरीबी की दर को आधा कर लिया है। इसके साथ ही भारत ने अधिकांश मानव विकास सूचकांकों में भी प्रगति की है। विश्वबैंक ने कहा कि भारत की वृद्धि रफ्तार के जारी रहने तथा एक दशक में अति गरीबी को पूरी तरह समाप्त कर लेने का अनुमान है। इसके साथ ही देश की विकास यात्रा की राह में कई चुनौतियां भी हैं। उसने कहा कि भारत को इसके लिए संसाधनों की कार्यक्षमता को बेहतर बनाना होगा। शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक अर्थव्यवस्था के जरिये तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि उत्पादन बढ़ाकर जमीन का बेहतर इस्तेमाल करना होगा। विश्वबैंक ने कहा कि भारत को अधिक मूल्यवर्धक इस्तेमाल के लिए पानी आवंटित करने को लेकर बेहतर जल प्रबंधन तथा विभिन्न क्षेत्रों में पानी के इस्तेमाल का मूल्य बढ़ाने के लिये नीतियों की जरूरत होगी। इसके साथ ही 23 करोड़ लोग बिजली ग्रिडों से अच्छी तरह जुड़े नहीं हैं। देश को कम कार्बन उत्सर्जन वाला विद्युत उत्पादन भी बढ़ाना होगा। उसने कहा, ''भारत की तेज आर्थिक वृद्धि को बुनियादी संरचना में 2030 तक अनुमानित तौर पर जीडीपी के 8.8 प्रतिशत के बराबर यानी 343 अरब डॉलर के निवेश की जरूरत होगी। इसके साथ ही टिकाउ वृद्धि के लिये समावेश को बढ़ाना होगा, विशेषकर अधिक और बेहतर रोजगार सृजित करने होंगे। अनुमानित तौर पर प्रति वर्ष 1.30 करोड़ लोग रोजगार योग्य आयुवर्ग में प्रवेश कर रहे हैं लेकिन सालाना स्तर पर रोजगार के तहज 30 लाख अवसर सृजित हो पा रहे हैं। इसके साथ ही भारत के समक्ष एक अन्य चुनौती महिला कामगारों की संख्या में आ रही कमी है। इसके साथ ही भारत के समक्ष एक अन्य चुनौती महिला कामगारों की संख्या में आ रही कमी है। भारत में श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी 27 प्रतिशत है, जो विश्व में सबसे कम में से एक है।

प्याज की कीमत में आया ठहराव, दिवाली से पहले हो जाएगा सस्ता

नई दिल्ली। आवश्यक जिंसों की कीमतों की समीक्षा करने के बाद सरकार ने कहा कि प्याज की कीमतों में तेजी थम गई है और अब गर्मियों में रोपी गई प्याज की फसल की आवक शुरू होने के साथ इसकी कीमतों में नरमी का रुख दिख रहा है। प्याज और टमाटर की खुदरा कीमतें आपूर्ति की कमी के कारण दिल्ली-एनसीआर के बाजार में महंगे बने हुए हैं। पिछले हफ्ते टमाटर के दाम 80 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गए थे, जबकि प्याज की कीमत 60 रुपए प्रति किलोग्राम थी। दलहन, प्याज, टमाटर और तिलहन जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों के संबंध में कार्टेलाइजेशन (व्यापरी समूहों की परस्पर गुटबंदी), जमाखोरी, सट्टा व्यापार आदि की निगरानी के लिए गठित समूह की 18 वीं बैठक यहां उपभोक्ता मामलों के विभाग के सचिव, अविनाश के श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कृषि मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, दिल्ली पुलिस, नाफेड, डीजीएफटी, विदेश मंत्रालय, दिल्ली सरकार के प्रतिनिधि शामिल हुए। इन एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने इस समूह को आवश्यक खाद्य जिंसों के संदर्भ में मौजूदा परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। प्रतिनिधियों ने सूचित किया कि खरीफ प्याज की आवक शुरू हो गई है और कीमतों में स्थिरता के साथ गिरावट का रुख है। समूह ने निर्णय लिया कि देश भर में दालों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए उचित समय पर उचित नीतिगत हस्तक्षेप करने की सिफारिश की जा सकती है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सभी मुख्य सचिवों को सलाह दी जाएगी कि वे राज्य और जिला स्तर पर विशेष रूप से त्यौहारों के मौसम यानी दिसंबर, 2019 तक, प्याज, दालों, खाद्य तेलों और तिलहन आदि के थोक व्यापारियों, व्यापारियों, आयातकों, निर्यातकों के साथ नियमित बैठक करें। इसमें कहा गया कि एनसीआर राज्यों की पुलिस की समिति को दिल्ली की राज्य सीमाओं के पास व्यापारियों द्वारा स्टॉक की जमाखोरी पर नज़र रखने और उनके खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई करने के लिए ।

भारी विरोध के बावजूद फेसबुक ने शुरू की डिजिटल करेंसी लिब्रा

बिजनेस डेस्क (एजेंसी) ।

सोशल मीडिया कंपनी फेसबुक ने तमाम मतभेदों और विरोधों के बावजूद डिजिटल करेंसी (क्रिप्टोकरेंसी) लिब्रा को अमल में लाने की दिशा में सोमवार को आधिकारिक तौर इसे पेश कर दिया। अमेरिकी नियामकों एवं राजनेताओं की ओर से आलोचनाओं के बावजूद फेसबुक इस योजना पर आगे बढ़ रही है। इस नई मुद्रा का प्रबंधन लिब्रा एसोसिएशन करेगी। लिब्रा एसोसिएशन ने सोमवार को जिनिवा में उद्घाटन बैठक में 21 सदस्यीय चार्टर पर हस्ताक्षर किए। यह मुद्रा का एक डिजिटल रूप है। इसे जारी करने वाली कंपनियों या एजेंसियों की वेबसाइट या एप के जरिए केवल आईडी-पासवर्ड के जरिए संचालित किया जाता है। उपयोगकर्ता इसका इस्तेमाल गुमनामी से और बिना डिजिटल निशान छोड़े खरीद-बिक्री कर सकते हैं। आईडी-पासवर्ड भूल जाने पर पूरी पूंजी डूबने की आशंका रहती है। बिटक्काइन इस क्षेत्र में सबसे चर्चित क्रिप्टो करेंसी है। दुनिया के अधिकतर देशों में इस पर प्रतिबंध है। लिब्रा की घोषणा के बाद से ही फेसबुक अमेरिकी नियामकों और राजनेताओं की तरफ से आलोचना झेल रही है। उनका कहना है कि उपयोगकर्ता की निजता की रक्षा करने को लेकर फेसबुक की चुनौतियां लिब्रा को भी प्रभावित करेंगी। उपयोगकर्ताओं के आंकड़े (डाटा) चोरी होने और निजता के उल्लंघन को लेकर फेसबुक कई गंभीर आरोपों का सामना कर रही है। चीन भी अपनी डिजिटल मुद्रा पेश करने की तैयार में है। सरकार और केंद्रीय बैंक इसकी मंजूरी दे सकते हैं। विश्लेषकों ने यह बात कही। सितंबर के अंत में, चीन के केंद्रीय बैंक के गवर्नर यी गंग ने कहा था कि नई मुद्रा मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणाली से जुड़ी हो सकती है। जैसे कि वीचैट और अलीपे एप बैंक खातों के माध्यम से युआन लेनदेन की अनुमति देते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन 11 नवंबर को अपनी डिजिटल मुद्रा पेश कर सकता है क्योंकि इस दिन से वहां महासेल की शुरुआत होती है। भारतीय रिजर्व बैंक भी डिजिटल मुद्रा लाने की योजना पर काम कर रहा है। पिछले साल रिजर्व बैंक ने कहा था इस तरह की मुद्रा के चलन को देखते हुए वह इसे भारत में पेश करने केमद्देनजर इसके सभी पहलूओं पर विचार कर रहा है।

मद्देनजर इसके सभी पहलूओं पर विचार कर रहा है। हालांकि, आरबीआई ने इसे लाने की कोई समय सीमा नहीं बताई है।

दो साल के बच्चे के अपहरण से सक्रिय हुई पुलिस

चार घंटे में बालक को सुरक्षति ढूंढ निकाला, आरोपी की तलाश जारी

सूरत.

पर्वत पाटिया विस्तार में फुटपाथ पर रहनेवाले श्रमजीवी परिवार के दो साल के बच्चे के अपहरण की घटना से पुलिस सक्रिय हो गई थी और उसकी खोजबीन शुरू कर दी थी. बालक अपहरण होने के १२ घंटे और पुलिस की खोजबीन के चार घंटे में सुरक्षति मिला गया था.

जानकारी के मुताबिक पर्वत पाटिया स्थित ब्रिज के निचे फुटपाथ पर रहनेवाले मुकेश पवार की पत्नी की तीन महीने पहले सांस की बीमारी की वजह से मौत हो गई थी. तभी मुकेश दो वर्षीय पुत्र कुलदीप के साथ रहता और मजदूरी करता है.गत रात करीब नौ बजे वह खाना लेने के लिए गया था तभी उसके पुत्र का किसी ने अपहरण कर लिया था.कुछ देर बाद जब वह वापस आया तब उसे पुत्र वहा नहीं दिखा जिससे वह घबरा गया और उसकी खोजबीन में लग गया काफी जगह ढूंढने के बाद भी पुत्र नहीं मिला जिससे उसने पूणागाम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई.बालक के अपहरण की घटना को लेकर पूणागाम पुलिस और क्राइम ब्रांच ने अलग अलग टीम बनाकर उसकी खोजबीन शुरू की. मंगलवार सुबह करीब नौ बजे पर्वत पाटिया से करीब आधे किलो मिटर के अंतर? पर सुरक्षित मिला.पुलिस ने उसका कब्जा मुकेश को सौप दिया.लेकिन उसका अपहरण करनेवाला नहीं मिला था .पुलिस ने अलग अलग टीम बनाकर आरोपी की तलाश शुरू की है.

चोरो ने डॉकटर के घर को बनाया निशाना

नगद रूपये और लेपटॉप सहित ३३००० की चोरी कर फरार

सूरत.

उमरा पुलिस थाना क्षेत्र में रहनेवाले एक डॉकटर के घर को रात के समय अनजान चोरो ने निशाना बनाया और नगद रूपये एवं लेपटॉप सहित ३३ हजार की चोरी करके फरार हो गए थे.

जानकारी के मुताबिक पिपलोद के सरगम शॉपिंग सेंटर के पास स्थित सोमनाथ सोसाइटी निवासी डॉ.जिग्नेश दिनेश गाँधी के घर में देर रात को चोर घुस गए थे. चोरो ने पाकिट में रखे नगद ८००० रूपये और एक लेपटॉप समेत ३३ हजार का सामान चुराकर भाग गए.सुबह चोरी की घटना के बारे में पता चलने पर सभी चौक गए थे. इसके बाद डॉ. जिग्नेश ने उमरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने फिलहाल अनजान चोरो के खिलाफ मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की है.

उपचुनाव में सभी छह सीटों पर भाजपा की जीत सुनिश्चित: मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आज लूणावाडा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार जिग्नेश सेवक के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि छह सीटों पर होनेवाले उपचुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित है। आज देश-दुनिया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। शक्तिशाली भारतके निर्माण के लिए देश से भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और गरीबी उन्मूलन कर भारत के मानबिंदुओं को पुनः स्थापित करने के लक्ष्य के साथ पीएम मोदी लगातार परिश्रम कर रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने त्रिपल तलाक, धारा 370 और 35 हटाकर प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की भयंकर गलती का देश ने आजादी के 70 साल तक खामियाजा भुगता है। कश्मीर में 45000 जितने निर्दोष नागरिकों की मौत के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। ऐसे में 370 और 35 ए हटाने से देशभर में राष्ट्रवाद की भावना प्रस्थापित हुई है। रूपाणी ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व हताश और निराश हो चुका है। राहुल गांधी की हिम्मत भी जवाब दे चुकी है और कांग्रेस लगातार टूटती जा रही है। गुजरात की राज्य सरकार ईमानदारी, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के लगातार काम कर रही है। लूणावाडा के इंदिरा मैदान में आयोजित जनसभा के दौरान लूणावाडा नगर पालिका के पूर्व प्रमुख एवं प्रदेश कांग्रेस की पूर्व महिला सचिव जयश्री जोशी, एनसीपी के प्रदेश प्रमुख वीरेन्द्र पटेल, लूणावाडा नगर पालिका के पूर्व कांग्रेस सदस्य और लूणावाडा एपीएमसी के सदस्य शांतिभाई पटेल समेत कई कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हो गए।

गिर अभायरण्य खुला, पर्यटकों को मिठाई खिलाकर जंगल की ओर रवाना किया

अहमदाबाद। चार महीने की छुट्टियों के बाद सौराष्ट्र स्थित गिर अभयारण्य आज से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। उप वन संरक्षक डॉ. मोहन राम ने पर्यटकों को मिठाई खिलाई और जिप्सी में उन्हें जंगल की ओर रवाना किया। वर्षा ऋतु के चार महीने शेर समेत अन्य प्राणियों का प्रजनन काल होता है। जिसमें कोई खलेल न पहुंचे, इसके लिए गिर अभयारण्य 15 जून से 15 अक्टूबर तक सैलानियों के लिए बंद कर दिया जाता है। इस दौरान जंगल में सड़क समेत अन्य जगहों की मरम्मत भी की जाती है। चार महीने बाद गिर अभयारण्य आज पर्यटकों के लिए खोल दिया गया। गिर अभयारण्य पहुंचे पर्यटकों को उप वन संरक्षक डॉ. मोहन राम ने मिठाई खिलाई और पहली जिप्सी में उन्हें जंगल की ओर रवाना किया। इस साल गिर जंगल के लिए नई व्यवस्था बनाई गई है। जिसमें वेबसाइट को फास्ट करने के साथ ही वेबसाइट और ऑनलाइन बुकिंग को क्यूआर कोड से जोड़ा गया है। पहले परमिट के लिए करीब ढाई घंटे लगते थे, वह काम अब केवल 15 मिनट में हो जाता है। साथ ही पहली बार एन्ट्री पास का डिजिटलाइजेशन किया गया है, ताकि पर्यटकों को लंबी कतारों से राहत मिलेगी। वन क्षेत्र में प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। कोई पर्यटक किसी प्रकार के प्लास्टिक या फूड पैकेट्स जंगल में नहीं ले जा पाएगा। थर्मीइन्स्युलेटेड पानी की बोतल पर्यटकों को उपलब्ध करवाई जाएगी। एक जिप्सी में एक-एक लीटर की दो बोतलें उपलब्ध होंगी। जंगल की कई पोस्ट पर प्लास्टिक को लेकर जांच भी की जाएगी। आज गिर एशिया का एक सिर्फ ऐसा क्षेत्र है जहाँ पर एशियाई शेर हैं।

बीमारी से तंग आकर मां-बेटे ने ट्रेन से कटकर जान दी

राजकोट। शहर के मोरबी रोड स्थित रेलवे ट्रेक पर एक महिला ने अपने जवान पुत्र के साथ ट्रेन से कटकर जान दे दी। प्राथमिक जांच में पता चला कि मां-बेटे ने बीमारी से तंग आकर यह कदम उठाया। जानकारी के मुताबिक राजकोट के थोराला निवासी गीता परमार पति नानजी परमार, 24 वर्षीय पुत्र केतन और 18 साल के पुत्र कौशिक के साथ रहती थी। केतन मानसिक रुप से बीमार था। जबकि कौशिक एक कारखाने में काम करता है। जबकि नानजी परमार छुटपुट मजदूरी करते हैं। मंगलवार की रात करीब 9 बजे गीता परमार अपने पुत्र केतन को लेकर घर से निकल गई और राजकोट के मोरबी रोड स्थित रेलवे ट्रेक पर पहुंच कर ट्रेन के सामने मौत की छलांग लगा दी। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

गैर सचिवालय क्लर्क की परीक्षा 17 नवंबर को होगी, सरकार ने किया ऐलान

अहमदाबाद। राज्यभर में विद्यार्थियों के आक्रोश के आगे सरकार को आखिरकार झुकना पड़ा और गैर सचिवालय क्लर्क की परीक्षा पुराने नियमों के मुताबिक 17 नवंबर 2019 को लेने का ऐलान किया है। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 3771 जगहों की भर्ती की जिम्मेदारी गौण सेवा पसंदगी बोर्ड को सौंपी गई थी। लेकिन सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश पर यह परीक्षा रद्द कर दी गई थी। लेकिन मुख्यमंत्री समेत उच्चस्तरीय पेशकश को ध्यान में रखते हुए परीक्षा रद्द करने का फैसला स्थगित कर दिया गया है। अब कक्षा 12 उत्तीर्ण और स्नातक विद्यार्थी भी गैर सचिवालय क्लर्क की परीक्षा दे सकेंगे। पहले यह परीक्षा 20 अक्टूबर 2019 को ली जानी थी, लेकिन अब 17 नवंबर 2019 को लेने का फैसला किया गया है। राज्य के 3171 परीक्षा केन्द्रों पर यह परीक्षा ली जाएगी। परीक्षा की संपूर्ण प्रक्रिया यथावत है और नए सिरे से कोई प्रक्रिया की जरूरत नहीं है। ओजस की वेबसाइट से विद्यार्थियों को अपना कॉल लेटर डाउन लोड करना होगा। जिन विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया है वह सभी विद्यार्थी पुराने परीक्षा केन्द्र से परीक्षा दे सकें। किसी भी विद्यार्थी का केन्द्र नहीं बदला नहीं जाएगा और परीक्षा के लिए नया फार्म भरने की जरूरत नहीं होगी। सभी आरक्षण के प्रावधान के तहत 3771 उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। गौरतलब है गैर सचिवालय क्लर्क की परीक्षा रद्द होने के बाद राज्यभर में विद्यार्थियों और अभिभावकों में आक्रोश भड़क उठा था। गुस्साए विद्यार्थियों ने गांधीनगर पहुंचकर उग्र विरोध प्रदर्शन किया था। लेकिन अब पुराने नियमों के मुताबिक परीक्षा लेने के सरकार के फैसले से विद्यार्थियों में खुशी की लहर दौड गई है।

नई सिविल अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में

मरीज के परिजनों किया हंगामा सिक्युरिटी गार्ड के मारपीट

सूरत.

नई सिविल अस्पताल के ट्रामा सेंटर में मरीज और उसके परिजनों ने जमकर हंगामा मचा दिया.अंदर जाने के मुद्दे को लेकर मरीज के भाई ने सिक्युरिटी गार्ड के साथ मारपीट की इसके अलावा बीचबचाव के लिए हुए तीन कर्मचारियों के साथ भी गाली गलोच कर मारपीट की.

जानकारी के मुताबिक उधना में रहनेवाले सुभाष तिवारी को तीन दिन से बुखार था. इसलिए मंगलवार के दिन उसकी माँ और भाई सूरज नई सिविल अस्पताल में लेकर आये थे.जहा ट्रॉमा सेंटर में तीनो ने जमकर हंगामा मचा दिया. अंदर जाने केमुद्दे को लेकर ओन ड्यूटी सिक्युरिटी गार्ड पहले सूरज तिवारी ने गाली गलौच की और हाथापाई शुरू कर दी, जिससे अन्य गार्ड भी वहा दौड़कर आ गये थे हुए और दोनों को अलग करने करने लगे थे तभी अस्पताल के तीन कर्मचारी भी आकर उन्हें समझाने लगे थे तब उनसे भी गाली गलौच कर मारपीट कर तीनो को नाख़ून मारकर लहूलुहान कर दिया था.और पुरे ट्रॉमा सेंटर में जमकर हंगामा मचाया जिससे पुलिस कंट्रोल रूम में इसकी सुचना दी गई तब पुलिस ट्रॉमा सेंटर में पहुँची और हंगामा मचानेवाले सुभाष तिवारी, सूरज और उनकी माँ को थाने ले जाकर आवश्यक कार्यवाही की गई .

मनपा के साऊथ ज़ोन द्वारा किया गया सर्वे

मच्छरों की उतपत्तिवाले संस्थानों से ३४ हजार का वसूला दंड

सूरत.

बरसात के बाद एक तरफ कई विस्तारो में जलभराव और गंदगी की वजह से मच्छरों की उतपत्ति होने के साथ उपद्रव है,इसको लेकर स्थानीय निवासी शिकायते कर है वही मनपा के साऊथ ज़ोन द्वारा मच्छरों के उत्पत्ति स्थलों का सर्वे किया गया और जिन संस्थानों में मच्छरों की उत्पत्तिवाले स्थान पाए गए उनसे ३४ हजार रुपियो का दंड वसूला गया है.

जानकारी के मुताबिक साऊथ जॉन के वीबीडीसी विभाग द्वारा बुधवार को इंट्राडोमेस्टिक सर्वे और पैराडोमेस्टिक सर्वे किया गया.सर्वे के दौरान रेसिडेंसियल विस्तार,निर्माणधीन स्थल और अन्य स्थल चेक किये गए थे,यहां पर मच्छरों की उत्पत्ति पाई गई साथ ही उत्पत्ति के स्थान भी पाए गए जिससे कार्यवाही करते हुए रेसिडेंसियल विस्तार में से ६४०० और निर्माणाधीन स्थलों २५,८०० सहित कुल ३४,२०० रुपयों का प्रशासनिक खर्च वसूला गया और मच्छरों की उत्पत्तिवाले स्थानों पर जंतुनाशक दवाइयों का छिड़काव किया गया था.

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)